सीमा सन्देश

वर्ष : 32 अंक : 102 मूल्य : रु. 2.00 पृष्ठ : 08 जयपुर, बुधवार, 12 अक्टूबर, 2022

सीएसआईआर सीरी ने विकसित की सर्वाइकल कैंसर की जांच की स्वदेशी प्रणाली

पिलानी (सीमा सन्देश सं)। भारत उन शीर्ष देशों में शामिल है जहां हर साल सर्वाइकल कैंसर के सबसे ज्यादा मामले सामने आते हैं। देश में स्वास्थ्य एवं चिकित्सा से जुड़े सरकारी एवं स्वयंसेवी संस्थानों के लिए यह अत्यंत चिंताजनक समस्या है। संस्थान के वैज्ञानिकों ने अपने शोध एवं विकास प्रयासों से इस समस्या का समाधान ढूंढ़ लिया है। संस्थान के वैज्ञानिक डॉ सत्यम श्रीवास्तव एवं उनकी टीम ने सर्वाइकल कैंसर जांच के लिए आईओटी सक्षम स्मार्टफोन आधारित हैंडहेल्ड कोल्पोस्कोप विकसित किया है।

संस्थान के निदेशक डॉ पी सी पंचारिया ने शोधकर्ता टीम को इस उपलबधि के लिए बधाई दी है।सीएसआईआर-सीरी द्वारा इसी प्रौद्योगिकी की तकनीकी जानकारी का आदान-प्रदान समझौता ज्ञापन (एम ओ यू) के माध्यम से और मेसर्स डिवाइन मेडिटेक प्राइवेट लिमिटेड, नोएडा को विगत 7 अक्टूबर, 2022 को किया गया। डॉ. पी सी पंचरिया, निदेशक, डॉ. सत्यम श्रीवास्तव (प्रौद्योगिकी विकासकर्ता), टीम के अन्य सदस्यों, संस्थान के वैज्ञानिकों और अधिकारियों के साथ संक्षिप्त समारोह में शामिल हुए। समझौता ज्ञापन पर संस्थान की ओर से श्री प्रमोद तंवर, प्रधान पीएमईबीडी, और डिवाइन मेडिटेक प्राइवेट लिमिटेड की ओर से श्री राजीव शर्मा, निदेशक ने हस्ताक्षर किए। इस कॉल्पोस्कोपी और कॉल्पोस्कोप कॉल्पोस्कोपी एक चिकित्सा प्रक्रिया है जिसे गर्भाशय ग्रीवा (सर्विक्स) की स्थिति का पता लगाने और गर्भाशय ग्रीवा अर्थात सर्विक्स कैंसर का निदान करने के लिए भी किया जाता है। कॉल्पोस्कोप वह उपकरण है जो स्त्री रोग विशेषज्ञ को कॉल्पोस्कोपी प्रक्रिया के माध्यम से उपचार करने की सुविधा प्रदान करता है। हमारे देश में हर साल विभिन्न पश्चिमी देशों से बड़ी संख्या में कॉल्पोस्कोप उपकरणों का आयात किया जाता है जिसमें विदेशी मुद्रा व्यय होता है। इस महत्वपूर्ण कॉल्पोस्कोप में से अधिकांश बहुत महंगे एवं प्रकृति में भारी हैं और इसमें सीमित विशेषताएं भी हैं।